

न्यूज ब्रीफ

दो वर्ष से बच्चों को नहीं मिली यूनिफार्म

जिलाधिकारी ने खैराबाद दिथ आवासीय जवाहर नवोदय विद्यालय का किया निरीक्षण तो खुली पोल

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. बिना बताए सुबह शहर सीमा के नजदीक आवासीय जवाहर नवोदय विद्यालय खैराबाद पहुंचे तो दों दों रह गए। औंचक निरीक्षण में पता चला कि बच्चों को दो साल से यूनिफार्म ही नहीं मिले। परिसर में गंदगी और खाने की अव्यवस्था पर नाराजगी जताने हुए उन्होंने उप प्रधानाचार्य और किचन व्यवस्था प्रभारी पर कार्रवाई के निर्देश दिए। किचन में भोजन की व्यवस्था करने वाले ठेकेदार पर टेंडर में 10 प्रतिशत कटौती के लिए भी आदेशित किया गया। तारों के सहारे लटकते हुए खें की शिकायत देर रात विभागीय कर्मियों को दी गई। 24 घंटे बीते के बाजूद भी विभाग की ओर से दुरुस्त नहीं किया गया। लोगों का कहाना है कि हाईटेंशन लाइन का तार अग्रवाली रीपर गांव, तो बाहा हादसा हो सकता है। लोगों ने विभाग के उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

हाईटेंशन तार का खंभा दूटा, विभाग अनजान

सीतापुर, अमृत विचार : शहर के मुख्य गौरा और अप्याताल के निकट सड़क पर निराम असाधारण वाहन का टार्क खंभा दूटा लाइन का तार अग्रवाली रीपर गांव, तो बाहा हादसा हो सकता है। लोगों ने विभाग के उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

रुद्र महायज्ञ में भण्डारे का आयोजन

सीतापुर, अमृत विचार : कमलापुर निरित श्री रुद्र महायज्ञ नाशेग्राम नाथ धाम में शिरां भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिकर मार बांधा नाशेग्राम वाला से मनोकामना पूरी करने की प्रार्थना की। इस दीर्घान बड़ी सख्ता में श्रद्धालु जूँदूर हैं।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार गंभीर

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : कांवाली क्षेत्र के ग्राम लालपुर बाजार रिंग घरिया नदी पुल पर तज रफतार बाइक और पिकअप की आपने-समाने टक्कर से गंभीर लालपुर, शाहजहानपुर, हरदोई, लखीमपुर, शाहजहानपुर सहित अन्य जनपदों से बांबिक्टेक्स एक्सप्रेस और बीमैट्रिक्स रियलिटी कंपनी के सहारे दिल्ली के ठग दिल्ली और राजस्थान में बैठकर ठगी और हवाला का पैसा विदेश में करियर को भी भी आयोजन किया गया। एसओजी लंबी पूछताछ कर रही है।

कानून का पाठ

हिस्ट्रीशीटरों को पढ़ाया

कानून का पाठ

सेहत की खुराक

327 पशुओं को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को लेकर युपुलाकों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन और अन्य मार्गियां से ग्रसित 327 पशुओं के लिए दवाएं वितरित की गई।

बिस्ट्रीशीटरों को मिली

सेहत की खुराक

नरी, सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां के ग्राम कारी पार्क में खंड सरीय पशु आरोग्य शिविर लगा। पशुओं से सबविधि गंधारीयों को जागरूक कर रखी गयी। शिविर में खुराक, मुंहपका बीमारी का टीकाकरण, बांधन्पन

न्यूज ब्रीफ

विभाग की भूमि कब्जा
करने में 9 पर मुकदमा

मल्लावा, हरदोई, अमृत विचार।

माहिमपुर गांव में नव विभाग की भूमि

को जातकर कब्जा करने के मामले में

वन विभाग की तरफ से नो लोगों के

विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। बैट

प्रभारी तरवारी शुशीर कुमार

मलावा, नाला, उन्नाव, धनीराम,

छोटे लाल, कलेवर, शिवराम सभी

निवासीयों पर अमृतपुर ने तरवार से

जातकर कब्जा कर दिया था। सभी

आरोपियों के विरुद्ध वन अधिनियम

26 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

इस संघर्ष में उपनिशदीक शिव मिलन

शुक्रवान ने बताया वन विभाग की जमीन

पर कब्जे को लेकर 9 लोगों के विरुद्ध

मुकदमा दर्ज कराया गया।

युवती हुई लापता

आरोपियों पर रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई। ऐहानी थाना क्षेत्र

निवासी युवती को के लापता होने पर

पुलिस ने युवती के पिता की तहीर के

आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट

दर्ज कर ली है।

पीड़ितों के अनुसुन्धान के अनुसार

30 नवंबर की रात में बुड़ा गांव निवासी

जनी पुरु नहीं की गाड़ी से नहीं का

साथी माहित उसकी 18 वर्षीय पुरी को

भागा ले गए हैं। पुरी घर से मोबाइल

और 9,500 रुपए लेकर गई है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट

दर्ज कर ली है।

युवक ने की खुदकुशी

बांगरमठ उन्नाव, अमृत विचार। बैठा

मुजाहिद थानाक्षेत्र के गांव अस्सूपुर

अंतर्गत मजस्जिदीन पुरानी यारी हरदेव

में 20 वर्षीय बेटे पुनीत ने बीती समेवा

रात घर से फासी की तरफ रुकाने

परिजनों ने पुलिस के विरुद्ध रिपोर्ट

दर्ज कर ली है।

युवक के लिए गांव के लिए गांव

के लिए

न्यूज ब्रीफ

युवक को गोली मारने के आरोपियों पर रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार।

बेटा गोलुक थाना क्षेत्र के ग्राम भदउना में एक युवक पर तमचे से फायर कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट देकर पुत्र श्रीराम प्रकाश के अनुसार नवरात्र की शाम गंव निवासी आजाद उड़ गोलू सिंह और शिवांक सिंह उसके पर आकर खेत चलने को कहा। खेत में आजाद ने जाति सूचक गाली गलौज करते हुए तमचे से पर फायर कर दिया, गाली उसके बाएं हाथ में लगी और वह बेहोश हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ख कर जांच शुरू कर दी है।

सिलेंडर से लगी आग घर का सामान जला



मलावा, हरदोई। घर में गैस पर खाना बनाने के समय रुग्लेटर सही से बढ़त न होने पर अचानक आग लगने से गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। करवे बैटर पुरुष निवासी हरिश्वर की मंगलवार को बहात लौटकर आई थी। घर में महिलाएं खाना बनाकर सिलेंडर बन्द कर दिया, लेकिन रेगुलेटर सही से बढ़त न होने पर आग लग गई। आग लगते ही घर के लोगों ने उसके सिलेंडर को निकालकर बाहर फेंका तो तक तक आग से रखा गृहस्थी का सामान जलकर रखा हो गया। घटना की जानकारी पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। इधर हल्का लेखापाल को आग की सूचना दे दी गई।

बुजुर्ग मां की हत्या कर पूरी रात शव से लिपटा रहा बेटा

शराब पीने के लिए पैसे न देने पर वारदात को दिया अंजाम

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जीआरपी से सेवानिवृत कांस्टेबल की पल्ली की उसी के बेटे ने ईंट से कुचल कर हत्या कर दी। इन्हाँने नहीं हत्यारोपी बेटा पूरी रात मां के शव से लिपटा रहा और सुबह पड़ोसियों को मां की मौत की खबर दी। मौके पर पहुंचे लोग खन से लथपथ शव देख कर सारी हकीकत जान गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पूछताछ की। फोरेंसिक टीम जांच कर रही है।

बेटा गोलूल थाने के शिरोमणि नगर के अवध विहारी अग्निहोत्री जीआरपी में कांस्टेबल थे, सेवानिवृत होने के बाद दिल्ली चले गए। सोमवार की रात रुम में शकुंतला और संतोष ही थे। बताते हैं कि

संदिग्ध हालात में खेत में पड़ा मिला लापता युवक का शव

संवाददाता, साण्डी, हरदोई

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के हस्तिलिया सहोरा निवासी अशोक पुत्र राम फेरे गांव में ही रहकर पिता की खेती में हाथ बंटाता था, गांव के आसपास मजदूरी की कार्रवाई करता था। सोमवार को पल्ली राजकुमारी से दो हजार रुपये लेकर काटने वाली मशीन लेने के लिए घर से निकला था। लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो पल्ली ने खोजबीन शुरू की। फिर भी कुछ पता नहीं चला। मंगलवार की सुबह जब ग्रामीण यादव मौके पर पहुंचकर शव का खेती की तरफ गए तो तो गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर छोटे के खेत में उसका शव पड़ा देखा जाए।



मृतक के रोते-बिलखते परिजन।

मुठभेड़ में तीन को लगी गोली, चार बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बेनीगंज कोतवाली के गोली चारी घटनाएं हो रही थी। बदमाशों को दबोचने को तैयार बैठी पुलिस ने सोमवार की रात बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। बेनीगंज पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली लगाने के बाद दबोच लिया। उनके कब्जे से तीन नकद, तमचा वा कारतुस बारमद हुआ। वहीं दूसरी तरफ पिहानी पुलिस ने मूरुंगली व्यापारी के दो हमलावरों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। यहां एक बदमाश के पैर में गोली लगी है।

19 नवंबर को बेनीगंज कोतवाली के घर रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मुठभेड़ में घायल बदमाश को लेकर जाते पुलिसकर्मी।

अमृत विचार

• बेनीगंज कोतवाली व पिहानी पुलिस को मिली कामयादी

के बाहर बंधी चार भैंसे चोरी हो गई थी। इसके बाद 25 नवंबर को पिहानी के राजकुमार ने पांच और 1 दिसंबर को लोधेडा कल्यानमल के कुछ कुमार ने तीन भैंसे चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

वहीं दूसरी तरफ पिहानी पुलिस

16 नवंबर को मोहम्मद फरियाद

विवरण में एक बाइक की रात पर आग लग गई।

19 नवंबर को बेनीगंज कोतवाली के घर

प्रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

श्री खाटू श्याम संकीर्तन में भजन गाते गायक।

अमृत विचार

17 वां श्री श्याम मासिक संकीर्तन संपन्न

हरदोई, अमृत विचार। श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति के द्वारा आपके शहर में मुहिम गली-गली पैलान होना चाहिए तो जगह बाबा का उपनाम होना चाहिए के तत्वाधान में श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति का मासिक कीर्तन शहर के पावन भजन पावन स्थल, श्री राम बाल सेवा मन्दिर जूनियर हाई स्कूल आशा नगर कैनल रोड में संपन्न हुआ। बुलंदशहर से आए भजन गायक रोबिन शर्मा ने 'कीर्तन की हो रही तो तक बाज आज थाने आड़ी है...' जैसे एक से बढ़कर एक भजन सुनाय। दिल्ली से आए मोहन द्विवेदी ने 'हारा हूं बाबा पर भरोसा है, यूंही तो आंसू आए नहीं मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है...' जैसे भजन सुनाकर भवित्वमय महोनी बना दिया।

हरदोई, अमृत विचार। सीतापुर रोड स्थित स्पॉट्स स्टेडियम में चल रही 3 मैचों की समसेस वन-डे सीरीज की गोली चारी घटना की निर्णय दर्ज की गयी। अखिलेश अग्रवाल क्रिकेट अकादमी की टीम ने 31.2 ओवर में सभी विकेट अकादमी की टीम को बल्लेबाजी करने का लेखा दिया।

अखिलेश अग्रवाल क्रिकेट अकादमी की गोली चारी घटना की निर्णय दर्ज की गयी।

बेटिंग करते खिलाड़ी।

अमृत विचार

बेटिंग करते खिलाड़ी।

अमृत विच

बुधवार, 3 दिसंबर 2025

सामग्रिक चेतावनी



अपनी मुख्यान से दुनिया बदल दो। दुनिया को अपनी मुख्यान कभी मत बदलने दो।

- श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

मोदी-पुतिन की मुलाकात से बेचैन अमेरिका



दिनेश सिंह
कानपुर



विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जैविक खतरों से निपटने के लिए आधिक, मजबूत और समावेशी वैश्विक फ्रेमर्क तैयार करने की अपील एवं उभरते वैश्विक संकट की सामग्रिक चेतावनी है। कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखा दिया कि बीमारियां अब भूगोल नहीं पहचानतीं और संकरण की रूपरत और प्रभाव किसी मिसाइल से कम विनाशकीय नहीं होती है। कोई भी दुर्घटना देश इस तरह के रोगों का वायरस, बैक्टीरिया से हमला कर कभी भी तबाही मचा सकता है। ऐसे में जैव-सुरक्षा को लेकर वैश्विक तैयारी, सहयोग और नियंत्रण तंत्र को मजबूत करना समय की अनिवार्यता है। जयशंकर का कहना कि जब तक जैव-सुरक्षा असमान होगी, इस वायरिकता की ओर संकेत करता है कि यह किसी क्षेत्र में महामारी का विस्फोट होता है और वहाँ की स्वास्थ्य प्रणाली नाकाम रहती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैल सकता है।

समृद्ध देशों की उनसे तकिया प्रणाली भी तब तक सुरक्षित नहीं रह सकती जब तक बाकी सुरक्षित न हो। यही कारण है कि ग्लोबल साउथ की कमज़ोर स्वास्थ्य सेवाएं और वैक्सीन तक असमान पहुंच आज विश्व-व्यापी जोखिम है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया के कई देशों में निगरानी, जांच प्रणाली ध्वस्त है। सक्षम लैब, आइसोलेशन और उपचार की क्षमता कम है और दवाओं-वैक्सीन की आपूर्ति राजनीतिक-आर्थिक कारणों से बाधित रहती है। इन स्थितियों में किसी जैविक हथियार का हमला किसी एक देश की सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता को जोड़ने में डाल सकता है। अनेक देशों में आपातकालीन प्रतिक्रिया थीमी है, प्रशिक्षण अपवास्त है और अनुसंधान तथा जैव-प्रौद्योगिकी में निवाश बढ़ाव देता है। साफ है कि स्वास्थ्य दांचा जितना कमज़ोर होगा, जैविक हमलों या आकर्षित जैव-वृद्धिनालों का खतरा उतना अधिक होगा। वहले तो जैविक बीमारियों का हथियारों के रूप में इस्तेमाल रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर पारदर्शिता, निगरानी और बायो-सेफ्टी प्रोटोकॉल को बाध्यकारी बनाया जाना चाहिए। कम लागत में अत्यधिक विनाशकारी परिणाम पैदा करने वाले जैविक हथियार भारत और दुनिया के लिए बड़ा खतरा इसलिए भी हैं, क्योंकि देश के पड़ोस में कुछ देशों पर जैविक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने या गुण अनुसंधान से जुड़े अपरोप समय पर लगते रहे हैं। यह स्थिति भारत के लिए सावधानी बताने, निगरानी बढ़ाने और वैज्ञानिक क्षमता सुदूर करने की मांग करती है।

भारत के पास अनेक स्तरों पर मजबूत जैव-रक्षा क्षमता मौजूद है। पारंतु यह भी सच है कि भविष्य की जैव-सुरक्षा चुनौतियां कहीं अधिक जटिल होंगी, जिससे निपटने के लिए निरंतर निवेश, तकनीकी आधुनिकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी अनिवार्य है। विश्व और भारत दोनों को अब जैव-सुरक्षा निगरानी तंत्र मजबूत करना, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में बायो-एथिक्स लागू करना और महामारी-पूर्व तैयारी को सैन्य-स्टर की प्राथमिकता देना आवश्यक है। दुनिया को इस चेतावनी को पांचीरता से लेना होगा, ताकि जैविक हथियारों और महामारी-जनित खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रसंगवाद

हॉलमार्किंग के नए अध्याय से उक्त क्षेत्रों का बदला गाँ

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर स्टेटिक पार्टनरशिप को मजबूत करने का विजयन तय किया जाएगा। साथ ही आपसी पायदे के रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर विचारों का लेन-देन दोनों नेता करेंगे। इस दौरान कई अहम रक्षा सौदे भी होंगे। पुतिन का भारत दौरा दोनों देशों के विरों को और मजबूत करेगा। साथ ही वैश्विक और राजनीतिक दृष्टि से भी काफी खास होगा। स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्टेटिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की यह भी पुतिन का भारत ने अमेरिका राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि दुनिया के सभी देशों को बता दिया है कि भारत और रुस की दोस्ती सदाबहार है। उसे किसी टैरिक के माध्यम से तोड़ा नहीं जा सकता है। अब इस रिशें को और मजबूती देने पर पुतिन भारत के लिए राजनीतिक दृष्टि से भी जारी रहे हैं।

राष्ट्रपति पुतिन के दौरे पर सबसे बड़ा रक्षा सौदा एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की खरीद से जुड़ा है। एस-400 भारत के 'सुदर्शन चक्र वाल चक्रव्यूह' का अहम हिस्सा है। एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने ऑपरेशन लैंपिंग के दौरान पाकिस्तानी मिसाइलों को बताया है। विश्व और भारत दोनों को अब जैव-सुरक्षा निगरानी तंत्र मजबूत करना, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में बायो-एथिक्स लागू करना और महामारी-पूर्व तैयारी को सैन्य-स्टर की प्राथमिकता देना आवश्यक है। दुनिया को इस चेतावनी को पांचीरता से लेना होगा, ताकि जैविक हथियारों और महामारी-जनित खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

इस मुलाकात से अमेरिका की बेचैनी बदल गई है।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।

रुस के राष्ट्रपति ल्लादीमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी।



रंगोली

संगुण भक्ति के आराध्य देवताओं में कृष्ण का स्थान सर्वोपरि है। आधुनिक काल में भी कृष्ण भक्ति काव्य का सूजन हुआ है। कृष्ण के रूप का प्रभाव हिंदू कवियों पर ही नहीं वरन् मुस्लिम कवियों पर भी पड़ा। इस खान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कृष्ण की भक्ति में मुस्लिम महिलाएं भी सम्मिलित हैं। श्री गंगा प्रसाद 'अखौरी' विशारद द्वारा लिखित पुस्तक 'हिंदी के मुसलमान कवि' में अनेक मुस्लिम कवियों की कविताओं का उल्लेख मिलता है, परंतु कृष्ण भक्ति के संदर्भ में केवल 'ताज' कवियत्री का ही उल्लेख मिलता है।

अमृत उपद्यु
ज्ञात्र, विद्या विद्यालय, दिल्ली

कृष्ण भक्त मुस्लिम

कवियत्री ताज

माधुर्य भाव की भक्ति

मथुरा निवासी श्री कविराज के मातानुरार ताज एक मुसलमान कवियत्री थीं और पंजाबी की रहने वाली थीं। कृष्ण से प्रेम हो जाने पर कविता की ओर उसका ध्यान आकर्षित हुआ। ताज की रचनाएं मुक्तक रूप में प्राप्त होती हैं। पुस्तक रूप में इनका केवल एक ग्रंथ मिलता है, जिसमें 'बारह मासा' विषयक छप्पय कविताएं कुंडलियां पाई जाती हैं। इन्होंने इस खान अदि मुसलमान भक्त कवियों की भाँति कवित तथा सर्वैया शैली की अपनाया तथा उसमें उन्हें यथेष्ट सफलता भी मिली। ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। वैष्णव संप्रदायों में माधुर्य भाव की भक्ति को अन्य प्रकार की भक्ति पञ्चकृतियों से अधिक श्रेष्ठ माना जाता है। ताज ने कृष्ण को प्रियतम के रूप में मानकर रचनाएं लिखी हैं।

कृष्ण के सौंदर्य का तो कहना ही क्या? गले में माल, नाक में मोती, कान में कुंडल और मस्तक

पर लाल मुकुट शोभायमान है। यह अपने कृष्ण को अन्य देवताओं से न्यारा कहती है। अतः श्री कृष्ण की भावना को उन्होंने परात्पर ब्रह्म के रूप में धारण किया है, जिसकी ज्योति में सभी नर-नारी और देवता प्रतिभावित हैं। इसका हम एक उदाहरण देख सकते हैं - छैल जो छबीला सब रंग में रंगीला बड़ा। चित्र का अदीला कहूं देवतों से न्यारा है। ताज ने कृष्ण के मात्रा छैल-छबीले रूप में इनका स्मरण नहीं किया है, अपितु कृष्ण के लोकरंजनकारी रूप को भी चिनित किया है। उसने सिद्धार्था के रूप में गोपेश की स्तुति भी की है। कृष्ण की मधुर रूप की अपेक्षा उनका ऐश्वर्य रूप अधिक प्रभावशाली बन पड़ा है। पतित उद्धारक गरिमामय अवतार रूप श्रीकृष्ण उसकी आस्था एवं विश्वास के विशेष पात्र है। हिंदू धर्म में प्रचलित रुद्धियों का उन्होंने खंडन किया है, उनका भरोसा मात्र नंद के कुमार पर है। वे इनना कृष्णमय हो गई कि उन पर अन्य देवों का प्रभाव नहीं पड़ता। यह बात एक उदाहरण स्पष्ट होती है - काहू को भरोसों ताज, सब देवन के दूजे ताज। /मोक्षों हैं भरोसों वस, एक नंद के कुमार को। इस प्रकार ताज की भक्ति भावना का आधार श्री कृष्ण का माधुर्य रूप है। प्रेम के अनेक उपमानों में उनकी भावनाओं का यह अवगुंठन अत्यंत अनुपम है। उन्होंने अगाध अनन्य सात्कार प्रेम से उनकी भावना का सुंदर और सटीक वर्णन प्रस्तुत किया है, जो अन्यत्र दुलभ है। इतना ही नहीं कृष्ण के प्रति उनकी भावना में चित्र मर्मस्पर्शी ही नहीं अप्रतिम भी है। ताज लिखती हैं - चैन नहीं मन में, मलीन सुनैन भरे जल में न तड़है। ताज कहे पर्यक्ष यों बाल, ज्यों चंप की माल बिलाइ गई है। अतः प्रतीक्षा की लंबी अवधि के बीच यह देखकर कि आप रात्रि बहुत शेष है। परिणाम स्वरूप शन्य भवन में प्रज्ज्वलित प्रदीप का आलोक उसके अंगों प्रखर सूर्य की तरह तन करता है। उपर्युक्त तथ्यों से यह निष्कर्ष निकलता है कि ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। मीराबाई की भाँति यह भी कृष्ण को अपना प्रियतम या पति मानती थीं।



बुधवार, 3 दिसंबर 2025 | 11

www.amritvichar.com

कविताओं ने अलंकारों का प्रयोग
ताज ने श्रीकृष्ण के रूपांकन की ओर विशेष ध्यान दिया है। श्रीकृष्ण के रूपांकन में कवियत्री ने आभूषणों का भी उल्लेख किया है। कहीं-कहीं कवियत्री ने उनके अंग पर आभूषणों के समन्वय सौंदर्य का चित्रण किया है। ताज के प्रस्तुत विधान में अप्रस्तुत का सौंदर्य दर्शन नहीं पता। उपमान सदैव उपमेय की श्रीवृद्धि में सहायक है। प्रेम संबंधी अनेक प्रसिद्ध उपमानों से उनकी भावनाओं का संबंध देखने योग्य है। ताज के काव्य में श्रृंगार और शांत रस की प्रधानता है। शांत रस के अंतर्गत अनेक संचारी भाव का स्वतंत्र अकन्कन कवियत्री की रचनाओं में प्राप्त होता है। यह संचारी भाव के सहायक होते हैं, जो भाव को सजीव बनाते हैं। ताज के काव्य की मुख्य भाषा ब्रजभाषा है, परंपरा जीवनी होने के कारण उनकी भाषा में पंजाबी शब्दों भी मिलते हैं। ताज की कविताओं में अलंकारों का अधिक प्रयोग हुआ है। वह एसी संवेदनशील कवियत्री है, जो चमत्कार के चक्रवर्त में न पड़कर भाव में डूब जाय करती है। माधुर्य गुण सुयुक्त होने के कारण उनकी कविताओं में अनुग्राम अलंकार का बाहुल्य मिलता है। मीरा की भाँति ताज के काव्य का आधार है, इनका सर्वथा निजी अनुभव। दोनों ही की प्रेम साधना लोक-बाह्य थी, उसमें लोक और शास्त्र का विचार न था, प्रेम के प्रखर प्रभाव में लोक और वेद बह गए। लोक-लाज और कुलकनि विसर गई, पथ-अपथ का डर छुट गया। रसखान सदृश मुसलमानों के विषय में जो बात भारतेदुर्घाटने जी ने कही थी, वही ताज के संबंध में भी समझनी चाहिए - 'इन' मुसलमान हार जनन पर कोटिन्ह हिन्दू वारिए। अपनी माधुर्य भक्ति के लिए ताज हिंदी साहित्य में सदैव चिरस्मरणीय रहेंगी।



जब मनुष्य रूप के कृष्ण खुद प्रसाद देने आए

हिंदी साहित्य की कवित्रियों में मीरा, जहां भक्ति साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती है, वही ताज मुस्लिम साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती है। ताज कवियत्री का उल्लेख सर्वप्रथम शिव सिंह संग्रहालय संसदीय सरोज के मतानुसार इनका जन्म 1652 सन्त है, पर इनका उल्लेख पुल्लिंग रूप में मिलता है तथा मुंशी देवी प्रसाद ने 'महिल मधुवाणी' में इनका जन्म सन्त 1700 माना है। ताज नहा धरन कर्मियों में भगवान का नित्य प्रति दर्शन करती थीं और बाद में भ्रातृ ग्रहण करती थीं। ऐसी जनश्रुति है कि एक दिन वैष्णवों ने उसे विधीय समझकर मंदिर में जाने से रोक दिया। ताज उस दिन उपवास करके मंदिर के आंगन में बैठी, कृष्ण नाम जपती रही। कहते हैं कि रात होने पर ठाकुर जी स्वयं मनुष्य का रूप धरण कर भोजन का थाल लेकर ताज के पास आया और उहाँसे भोजन कराया। प्रातः काल जब वैष्णव आए, तो ठाकुर जी ने कहा कि उनसे कहना कि तुम लोगों ने मुझे कल ठाकुर जी का प्रसाद और दर्शन का सौख्य नहीं दिया, इससे आज रात ठाकुर जी स्वयं प्रसाद दे गए हैं और तुम लोगों को संदेश दे गए हैं कि ताज को परम वैष्णव समझा गया। इसके दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने में रुक्कावट कभी मत डालो। नहीं तो ठाकुर जी तुम लोगों से नाराज हो जाएंगे। प्रातः काल सब वैष्णव को ताज ने रात की सारी बात बताई और भोजन का थाल भी दिखाया। वे सभी वैष्णव ताज के पैर पर गिरकर क्षमा प्रार्थना करने लगे। तबसे सबसे पहले ताज मंदिर में दर्शन करती थीं और किर अन्य वैष्णव दर्शन करने जाते थे।

रंग-तरंग



हानीबिल महोत्सव

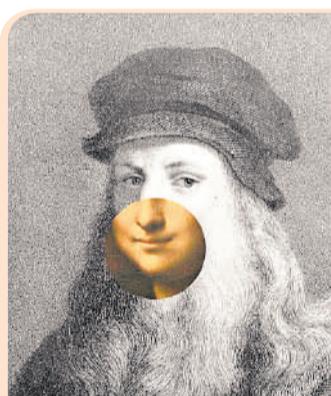
पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न

बीते सोमवार को नागार्लैंड की 63 वीं वर्षगांठ पर किसामा के नागा हेरिटेज विलेज में हानीबिल फेरिट्वल के 26 वें संस्करण की शानदार शुरुआत हुई। दस दिवसीय आयोजित महोत्सव में नागार्लैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, विरासत और कलात्मक परंपराओं के मनाया जाता है। यह फेरिट्वल अब तक के सबसे बड़े बड़े विलेज के लिए एक शक्तिशाली मंच है। यह विविधता में एकता का एक जीवन्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस वर्ष महोत्सव में दिसंबर और 'इंको-फ्रेंडली' पर्यटन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा जी-20 की सफलता के बाद, भारत के सभी विलेजों में एकता के एकता की विशेषता दर्शन करने के लिए एक गीर्हणीय घटना हो रही है। इसके अलावा नागार्लैंड की सांस्कृतिक विविधता, विरासत और कलात्मक परंपराओं के मनाया जाता है। यह एक अद्वितीय घटना है।



नामकरण और प्रतीक

इसका नाम 'ग्रेट इंडियन हॉनीबिल' (Great Indian Hornbill) पक्षी के नाम पर रखा गया है। यद्यपि यह पक्षी अब नागार्लैंड में कम दिखाई देता है, लेकिन नागा लोकों कथाओं और गीतों में इसका गहरा महत्व है। इसके पक्षों का उपयोग पारंपरिक नागा हेडिंगर (टोपी) में प्रतिष्ठा और वीरता के प्रतीक के रूप में किया जाता रहा है।



विंची के बारे में

लियोनार्डो द विंची की पैटेंग मोनालिसा दुनिया की सबसे वर्चित और रहस्यमयी पैटेंग है। पैटेंग की ओर सबसे खास बात इसकी रहस्यमयी मुरकान है। अलांग कोंडों से देखने पर यह बदलती हुई सी महसुस होती है। कुछ लोगों ने ताजे इस पैटेंग में विंची के ऊपर कोड छिपाकर रखें हैं। यही नहीं बहुत दिनों तक एक चर्चा यह भी रही कि इसका आशा हिस्सा यैलोला का है और बालकी

